भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 291

गुरुवार, 08 दिसंबर, 2022 को उत्तर देने के लिए

चंद्रमा पर स्थायी स्टेशन की स्थापना

291. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा पर स्थायी स्टेशन स्थापित करने के लिए मिशन शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके उद्देश्य क्या हैं;

(ग) चंद्रमा पर स्थायी स्टेशन स्थापित करने में क्या-क्या प्रमुख बाधाएं हैं;

(घ) मनुष्य को मंगल ग्रह और उससे आगे ले जाने के प्रस्ताव की स्थिति क्या है;

(ड) क्या इसरो रॉकेटों का एकाधिक बार उपयोग करने में सक्षम है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो रॉकेटों का एकाधिक बार प्रयोग करने में क्या बाधाएं हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) एवं (ख)

इस समय, इसरो चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग प्रदर्शित करने हेतु चंद्रयान-3 मिशन की तैयारी कर रहा है।

...2/-

(ग) सस्ते हेवी-लिफ्ट प्रक्षेपण रॉकेटों, बाहरी अंतरिक्ष में कर्मीदल एवं कार्गो परिवहन क्षमता, चंद्र वातावरण में अवतरण एवं जीवन को टिकाए रखने, आदि जैसी विविध संबद्ध प्रौद्योगिकी क्षमताओं के स्वदेशी विकास में निरंतर प्रयास की आवश्यकता सहित चंद्रमा पर स्थायी स्टेशन स्थापित करने में मुख्य बाधाएं प्रौद्योगिकीगत, वैज्ञानिक एवं बजटीय प्रकृति की हैं।

(घ) अभी तक, इसरो के पास मंगल या उससे परे किसी मानव को ले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ङ) एवं (च)

पुनरुपयोगी प्रक्षेपण यान (आर.एल.वी.) परियोजना इसरो में प्रगति में है, जिसके अंतर्गत स्वायत्त नेविगेशन, मार्गदर्शन एवं नियंत्रण, पुनरुपयोगी तापीय सुरक्षा प्रणाली और पुनःप्रवेश मिशन प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की वैधीकरण के लिए एस.डी.एस.सी.-शार, श्रीहरिकोटा से 23 मई, 2016 को प्रौद्योगिकी प्रदर्शक (आर.एल.वी.-टी.डी.) की उड़ान का सफल परीक्षण किया गया था। इस परियोजना के अंतर्गत अगला परीक्षण प्रथम रनवे अवतरण प्रयोग [आर.एल.वी.-एल.ई.एक्स.] की योजना है, जिसे वैमानिकी परीक्षण रेंज, चित्रदुर्ग, कर्नाटक से अगले वर्ष के आरंभ में निर्धारित किया गया है।

***